>

Title: Need to doubling of Daund-Manmad railway line in Maharashtra.

श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी (अहमदनगर): मैं आपका ध्यान अहमदनगर (महाराष्ट्र) की ओर दिलाना चाहता हूं।

दौंड-मनमाड रेल लाईन पर अहमदनगर एक बड़ा स्टेशन है। यहां रक्षा मंत्रालय का तथा ""डी.आर.डी.ई."" वाहनों का जांच केन्द्र है। भारत के सबसे बड़े धार्मिक एवं पर्यटक स्थल शिर्डी और शनि-शिंगणापुर तथा मेहेराबाद अहमदनगर के नजदीक है। यहां से गुड्स ट्रेन द्वारा सब्जियां, अनाज, फ्रूट, सीमेंट, फर्टिलाइजर्स तथा मिलिट्री का आवश्यक सामान का आवागमन होता है और अहमदनगर के नजदीक ही अकोलनेर गांव के भारत पेट्रोलियम का एक बड़ा टर्मिनल कार्यरत है। उत्तर भारत को दक्षिण भारत से जोड़ने का यह सबसे नजदीक मार्ग भी है। कुंभ मेले के दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। कुंभ मेले में पावन स्नान करने के बाद वही श्रद्धालु शनि-शिंगणापुर दर्शन हेतु पधारेंगे। इसलिए सरकार द्वारा अभी से अपेक्षित कदम उठाने की आवश्यकता है। यदि प्रयास किया जाए तो रेल आमदनी में और बढ़ोत्तरी हो सकती है।

मेरा निवेदन है कि शिर्डी, शिंगणापुर में आने वाले पर्यटकों की बड़ी संख्या को देखते हुए दौंड-मनमाड रेल लाइन का दोहरीकरण करें। इस रेल लाइन के दोहरीकरण का 2000-2001 में सर्वेक्षण कार्य पूरा हो गया था। उस सर्वेक्षण में इस लाइन के दोहरीकरण की लागत 522 करोड़ रूपये आंकी गई थी। अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि उक्त रेल लाइन के दोहरीकरण हेतु राशि आगामी रेल बजट में उपलब्ध करायें। ऐसी हमारी मांग है।